PAPER-III
MUSIC

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ___________________________

   (Name) ______________________________

2. (Signature) ___________________________

   (Name) ______________________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.__________________________________

(In words)

D 1 6 1 1

Time : **2 $^1/_2$** hours] [Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **19**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

MUSIC
संगीत

PAPER – III
प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ** (200) अंकों का है एवं इसमें **चार** (4) खण्ड हैं । अभ्यर्थी इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार दें ।

SECTION – I
खण्ड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 Marks)**

नोट : इस खण्ड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ** (500) शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. What is the healing effect of music on the mental health of man ?
मानव के मानसिक स्वास्थ्य पर संगीत का उपचारात्मक प्रभाव क्या है ?

OR / अथवा

Importance of Gharanas/Sampradaya in present times.
वर्तमान समय में घराना / सम्प्रदाय का महत्त्व ।

2. How has changes in patronage affected the growth and development of music ?
संगीत के विकास और उन्नति पर इसको मिलने वाले संरक्षण में हुए परिवर्तनों से क्या प्रभाव पड़ा है ?

OR / अथवा

How has modernity affected the folk music traditions ?
आधुनिकता ने लोक संगीत परम्पराओं को किस प्रकार प्रभावित किया है ?

SECTION – II

खण्ड – II

Note : This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only **one** elective/specialization and answer all the **three** questions contained therein. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 Marks)**

नोट : इस खण्ड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से **तीन** (3) प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के तीनों प्रश्नों के उत्तर देने हैं । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह** (15) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ** (300) शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

Elective – I / विकल्प – I

Hindustani Music – Vocal and Instrumental

(हिन्दुस्तानी संगीत – गायन एवं वादन)

3. How Aesthetics is related to music ? Explain about the components helpful in the aesthetical presentation of music performance.
सौन्दर्यबोध संगीत से किस प्रकार से सम्बंधित है ? संगीत प्रदर्शन में सहायक सौन्दर्य तत्त्वों का विवेचन कीजिए ।

4. Describe Harmony and Melody. Can harmony be applicable to Indian Classical Music ?
हार्मनी एवं मेलॉडी की व्याख्या कीजिए । क्या हार्मनी का प्रयोग भारतीय शास्त्रीय संगीत में संभव है ?

5. Analyse the Indian Theory of Rasa. Explaining the different kinds of Rasa, describe how Rasa is related to music.
भारतीय रस सिद्धान्त की विवेचना कीजिए और रस के विभिन्न प्रकारों को समझाते हुए लिखिये कि रस किस प्रकार संगीत से सम्बंधित है ?

OR / अथवा

Elective – II / विकल्प – II

Karnatik Music (कर्नाटक संगीत)

3. Greatness of Tevaram Hymns.
तेवारम स्तोत्र की महत्ता ।

4. Rasa depicted in Padams.
पद्‌म में रस चित्रण ।

5. Importance of Svaramelakalanidhi.
स्वर मेला कलानिधि का महत्त्व ।

OR / अथवा

Elective – III / विकल्प – III

Rabindra Sangeet (रवींद्र संगीत)

3. Discuss the influence of North Indian Classical Music on Rabindra Sangeet.
रवीन्द्र संगीत पर उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत के प्रभाव की विवेचना कीजिए ।

4. How were the Rabindra-Baul songs written ? Illustrate your answer.
रवीन्द्र-बाऊल गीत कैसे लिखे गए ? अपने उत्तर की सोदाहरण पुष्टि कीजिए ।

5. How has Tagore assimilated season's emotions in his compositions ?
अपनी संगीत रचनाओं में टैगोर ने ऋतुओं की रागात्मकता को कैसे आत्मसात किया ?

OR / अथवा

Elective – IV / विकल्प – IV

Percussion (अवनद्ध)

3. Describe Kriya, Anga, Graha and Laya in brief.
क्रिया, अंग, ग्रह एवं लय को संक्षेप में समझाइये ।

4. Explain the playing technique of Delhi Gharana and write one quaida of this gharana with four paltas and a tihai in notation.
दिल्ली घराने की वादन विशेषताओं को समझाइये तथा इसी घराने का एक क़ायदा, चार पल्टे एवं एक तिहाई सहित को लिपिबद्ध कीजिए ।

5. Describe any three instruments from the following with sketch :
Chenda, Ghatam, Dholak, Naal, Pakhawaj
निम्नलिखित में से किन्हीं तीन वाद्यों का सचित्र वर्णन कीजिए :
चेंड़ा, घटम्, ढ़ोलक, नाल, पखावज

SECTION – III

खण्ड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks each, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 Marks)**

नोट : इस खण्ड में **दस-दस** (10-10) अंकों के **नौ** (9) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास** (50) शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Explain in detail about the Grantha Brahaddeshi or Chaturdandiprakashika and write its contribution to Indian Music.
बृहददेशी ग्रन्थ अथवा चतुर्दण्डिप्रकाशिका ग्रंथ का विस्तृत विवरण दीजिए एवं लिखिये कि इनका भारतीय संगीत में क्या योगदान है ?

7. Describe the concept of beautiful according to Indian and Western Philosophers.
भारतीय तथा पाश्चात्य विचारकों के अनुसार सौन्दर्य की धारणा का वर्णन कीजिए ।

8. Write in short on any **three** of the following :

(a) Role of Swyambhoo Swara (upper partials) in determining the musical quality of sound.

(b) Importance of composition and Kaku in Indian music.

(c) Haveli Sangeet (Pushti Margi Sangeet)

(d) Aims and objects of Higher Education in Music.

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) सांगीतिक ध्वनि की मधुरता निश्चित करने में स्वयंभू स्वरों (उप-स्वरों) का महत्त्व ।

(b) संगीत में बंदिश एवं काकु का महत्त्व ।

(c) हवेली संगीत (पुष्टि मार्गीय संगीत)

(d) संगीत में उच्च शिक्षा के उद्देश्य

9. What is the relation of Music with other five Arts like Poetry, Dance, Drama, Painting and others ? Write.
संगीत का अन्य ललित कलाओं जैसे काव्य, नृत्य, ड्रामा, चित्रकला एवं अन्य के साथ क्या अन्तर्सम्बंध है ? लिखिये ।

10. Rhythm is an Occurrent Art. Comment.

लय एक सहज कला है । समीक्षा कीजिए ।

11. "Technology and commercialisation has changed the pattern of concert rendition." Give your views.

"विज्ञान और व्यावसायिकता ने संगीत के प्रस्तुतिकरण की शैली को बदल दिया है ।" इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

12. Write briefly on any **five** of the following :

Mitra Ragas, Marga & Desi Talas, Kriti, Prabandha, Dhrupad, Chaturang, Svara Kalpana, Chakradar Gat, Laggi, Alpatva-Bahutva, Masit Khani Gat, Kalawant

किन्हीं **पाँच** पर संक्षेप में लिखिए :

मित्र राग, मार्ग और देसी ताल, कृति, प्रबन्ध, ध्रुपद, चतुरंग, स्वर कल्पना, चक्रदार गत, लग्गी, अल्पत्त्व-बहुत्त्व, मसित खानी गत, कलावन्त

13. Write notes on any **five** of the following :

Kavadiattam, Baul, Thiruvathirakali, Kajri, Lavani, Kaalbelia, Pandvani, Giti Natya, Bhatiyali, Garba.

किन्हीं **पाँच** पर संक्षिप्त नोट लिखिए :

कवाडियाट्टम, बाउल, तिरुवातिराकली, कजरी, लावणी, कालबेलिया, पंडवानी, गीति नाट्य, भटियाली, गरबा

14. Write on the contribution of any one western scholar to Indian Music.

किसी एक पाश्चात्य विद्वान के भारतीय संगीत को दिये गए योगदान के बारे में लिखिए ।

SECTION – IV

खण्ड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 Marks)

नोट : इस खण्ड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच** (5) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस** (30) शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच** (5) अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

Further, the good that the arts do to us is not the same as what we gain from the crafts. The latter cater for our specific needs, say, for food, shelter, clothing and ornament. Builders, weavers and jewellers are therefore of obvious value to society. But the making, contemplation and appreciation of works of art relate to our attitudes, states of being and cognitive/affective capacities. By creating a work of art the artiste gets the deep, inner delight of effective self-expression which he cannot possibly equate with any other gain. As for the rasikas, they too can benefit richly from contemplation of works of art. It is an admitted fact that aesthetic experience relieves tensions and checks destructive impulses, refines perception and develops imagination and along with it the ability to put oneself in the place of others, which is so essential even for the maintenance of good inter-personal relations in daily life.

कलाएँ जो हमारे साथ अच्छाई करती हैं, वह शिल्प से प्राप्य लाभों जैसा नहीं है । शिल्प तो हमारी विशिष्ट आवश्यकताओं की पूर्ति करता है यथा रोटी, कपड़ा, मकान और अलंकार । इसलिए भवन-निर्माणकर्ता, बुनकर और सुनार समाज में स्पष्ट महत्त्व रखते हैं । मगर कलाकृतियों को बनाने, चिन्तन करने और उनकी प्रशंसा का सम्बन्ध हमारे दृष्टिकोण मानव की मनोवस्था, ज्ञेय/प्रभावी सामर्थ्यों से सम्बंधित है । एक कलाकृति को बनाकर कलाकार को आत्म-प्राकट्य की प्रभावशाली अभिव्यक्ति के गहन आन्तरिक आनन्द की प्राप्ति होती है जिसको सम्भवतया वह किसी अन्य लाभ के सम नहीं ठहरा सकता । जहाँ तक रसिकों का सम्बन्ध है, वे भी कलाकृति के चिन्तन से भरपूर लाभ उठा सकते हैं । यह एक सर्वमान्य तथ्य है कि सौंदर्यपरक अनुभव दबाव को कम करता है और विध्वंसात्मक वृत्तियों को रोकता है और कल्पना-शक्ति को बढ़ाता है । इसके साथ-साथ यह दूसरों के स्थान पर अपने को रखने के योग्य बनाता है जो दैनिक जीवन में अन्तर-वैयक्तिक सम्बन्धों को बनाये रखने के लिए अत्यन्त अनिवार्य है ।

15. Does Art differ from Craft ?
क्या कला शिल्प से भिन्न है ?

16. What is the effect of Art on the artist ?
कला का कलाकार पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

17. What does an artist gain from work of Art ?
कलाकार को अपनी कलाकृति से क्या लाभ होता है ?

18. How does an aesthetic experience effect the mind of the rasika ?
रसिक के मस्तिष्क पर एक सौंदर्यपरक अनुभव किस प्रकार प्रभाव डालता है ?

19. How does Art build-up good interpersonal relations ?
कला किस प्रकार अच्छे अन्तर-वैयक्तिक सम्बन्धों को स्थापित करती है ?

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....